ENDEARMENT : i. e. blandishment : (1) हावः ; (2) विलासः.

ENDEAVOUR (v.) : (1) यतते (यत्, c. 1.) : v. To attempt ; (2) उद्यच्छति, -ते (यम्, c. 1.), *e. ing to go* : उद्यच्छमाना गमनाय, R. ; (3) व्यवस्यति (सो, c. 4.), *who would e. to separate her* : कस्तां पृथक्-कर्तुं व्यवस्येत्, Mu.

ENDEAVOUR (subs.) : (1) उद्यमः ; (2) व्यवसायः : v. Attempt.

ENDING (subs.) : अन्तः : v. End ; to end.

ENDIVE : शाकप्रभेदः.

ENDLESS : I. Without end : अनन्तः (न्ता, न्तं), *of e. prowess* : अनन्तवीर्यः (र्या, र्यं), Ku. II. Without an object : निरर्थकः (का, कं).

ENDLESSLY : (1) अनन्तम् : v. Incessantly ; (2) निरर्थकम् : v. In vain.

ENDORSE : I. In gen. sense : पृष्ठे लिखति, अभि-, (लिख्, c. 6.), *a debtor should e. payments on the bond* : लेखस्य पृष्ठेऽभिलिखेद्दत्त्वा दत्त्वा धनं ऋणी, Y. II. Fig. : of opinion, etc. : कक्षीकरोति, D.s.

ENDORSEMENT : पृष्ठलिखितम्, *this is my e.* : *ममैतत् पृष्ठलिखितम् *or* मयैतत् पृष्ठे लिखितम्.

ENDOW : I. Lit. : वृत्तिं ददाति (दा, c. 3.). II. To furnish with : योजयति (युज्, c. 10.). *E. ed with* : (1) अन्वितः (ता, तं), सम्-, *e. with reason* : विवेकसमन्वितः (ता, तं) ; (2) उपेतः (ता, तं), *e. with all good qualities* : सर्वगुणोपेतः (ता, तं) ; (3) युक्तः (क्ता, क्तं) : v. To possess.

ENDOWMENT : I. The act : वृत्तिदानम्. II. A settlement : वृत्तिः. III. Talent, gift : शक्तिः.

ENDUE : v. Endow.

ENDURABLE : सह्यः (ह्या, ह्यं) : v. Tolerable.

ENDURANCE : I. The habit of enduring : सहिष्णुता, प्र-, *e. of troubles* : क्लेशसहिष्णुता, Ka. II. The act of e. : (1) सहनम् ; (2) मर्षः, क्षम्-. III. Lastingness : स्थायित्वम्.

ENDURE (v.t.) : (1) सहते, वि-, प्र-, *all-e.ing* : सर्वंसहः (हा, हं), *I cannot e. the slur* : अहमवर्णं सोढुन्नेशे, R. ; *e.s to live* : जीवितुं विषहते, Ve. ; (2) मर्षयति *or* मृष्यति *or* मर्षति, -ते (मृष्, c. 10. 4. and 1.), *did not e. the horns* : शृङ्गं न ममृषे, R.

ENDURE (v.i.) : तिष्ठति (स्था, c. 1.) : v. To last, remain.

ENDURING : i.e. lasting : स्थायिन् (f. नी), चिर-.

ENEMY : (1) शत्रुः, *who never made an e.* : अजातशत्रुः, Ve. ; *a prostrate e.* : चरणनिपतितः शत्रुः, Mr. ; (2) रिपुः, *attack on the e.s' side* : रिपुपक्षाभियोगः, Vi. ; (3) वैरिन् (m.), *great e.* : वैरिवरः, Ku. ; (4) अरिः, *to the e. of Namuchi* (i.e. Indra) : नमुचेररये, R. ; (5) अरातिः, *victory over the e.s* : अरातिषु जयः, Ki. ; (6) द्विष्, विद्विष्, *or* द्विषत् (n.), *e.s of gods* : देवद्विषः, Ku. ; (7) परः (an ambiguous term), *by stronger e.s* : बलवत्तरैः परैः, Ku. ; (8) परिपन्थिन् (m.) (rare) ; (9) शात्रवः (rare) : v. Opponent.

ENERGETIC : (1) वीर्यवत् (f. ती) (=strong, powerful) ; (2) तेजस्विन् (f. नी) (=spirited) : v. Active.

ENERGETICALLY : सोत्साहम् (=eagerly) ; (2) सहतेजसा (=spiritedly) ; (3) वीर्यं समाश्रित्य (=vigorously) ; (4) अतन्द्रितम् (=actively).

ENERGY : (1) तेजः : v. Spirit ; (2) वीर्यम् : v. Vigour, strength ; (3) उद्योगः : v. Activity.

ENERVATE (v.) : (1) दुर्बलीकरोति ; (2) वीर्यं हरति (हृ, c. 1.) : v. To weaken.

ENERVATE, -D (adj.) : हतवीर्य (f. र्या) : v. Weak.

ENERVATION : I. The act : (1) दुर्बलीकरणम् ; (2) वीर्यक्षयः. II. The state : (1) हतवीर्यता ; (2) निर्वीर्यता ; (3) क्लैब्यम्.

ENFEEBLE : दुर्बलीकरोति, *e. (the ministers) one by one* : एकैकं दुर्बलीकुरु, Mah. : v. Feeble, to weaken, emaciate, break down. *To become e.d* : दुर्बलीभवति.

ENFEEBLEMENT : I. The act : दुर्बलीकरणम्. II. Weakness : q.v. : दुर्बलता.

ENFEOFF : Ph. : *e. ed this estate to me* : *भाटकेन भूमिमिमां मां सम्पूर्णभोगाय ददौ.

ENFEOFFMENT : expr. as above.

ENFORCE (v.) : I. To compel : q.v. II. To force : q.v. III. To give force to : प्रबलयति (nomi.) ; प्रबलं (f. लां) करोति. IV. To carry out : अनुतिष्ठति (स्था, c. 1.). V. To confirm, support : q.v. : दृढयति, (nomi.).

ENFORCEMENT : expr. by verb. : q.v.

ENFRANCHISE (v.) : I. To release : q.v. : मोक्षयति (मोक्ष, c. 10.). II. To naturalize :